



गाण्ड चुदाई चूत चोदी-4

“दोस्त की गर्लफ्रेंड ने मुझे अपने घर बुलाकर मुझे नंगा होने को कहा। उसकी नंगी साफ़ बगलें देख कर मेरा लंड खड़ा हो गया और तभी मेरा सरप्राइज...
कहानी में पढ़िए... ..”

Story By: (aashishjoshi)

Posted: Wednesday, June 3rd, 2015

Categories: [हिंदी सेक्स स्टोरी](#)

Online version: [गाण्ड चुदाई चूत चोदी-4](#)

गाण्ड चुदाई चूत चोदी-4

इधर मैं सैंडविच खत्म कर चुका था..

दीदी ने डिब्बो बाहर निकालते हुए कहा- शीतल.. बस कर.. वो बाजू में रख.. और इससे पानी पिला.. और यहाँ कारपेट पर सीधा लिटा दे.. इस अवस्था में तो ये डिब्बो 5-6 इंच से ज्यादा अन्दर नहीं जा रहा है.. तू अपनी शॉर्ट और पैन्टी उतार दे.. और इसके मुँह पर बैठ जा.. जिसे 'फेस सीटिंग' बोलते हैं.. पूरा 10 इंच अन्दर जाएगा.. तो इसे बहुत दर्द होगा और ये भाग भी सकता है.. तू बैठी रहेगी तो ये मादरचोद हिल भी नहीं पाएगा.. तू अपनी चूत इसके होंठों पर रख दे.. इससे इसकी आवाज़ नहीं निकलेगी और तेरी चूत भी चट जाएगी..

मैं बेबस सा था.. मेरे कुछ बोलने का सवाल ही नहीं था.. मैंने कई ब्लू-फिल्म्स में 'फेस-सीटिंग' देखी थी और मुझ पर यह प्रयोग होगा.. यह सोच कर मैं दूसरा होने वाला दर्द भूल चुका था।

मैंने जल्दी से पानी पी लिया और छत की तरफ मुँह करके नीचे लेट गया।

मैंने शीतल की आँखों में देखा.. एक हल्की सी शरम उसकी आँखों में थी.. शायद उसका भी ये पहला 'फेस-सीटिंग' होगा.. आप लोग भी सोचो कि एक औरत नंगी किसी मर्द के मुँह पर बैठ जाए तो क्या नज़ारा होगा।

शीतल ने थोड़ा शरमाते हुए ही अपनी शॉर्ट्स उतार दी.. अब एक छोटी सी काली पैन्टी उसके कमर पर चिपकी थी।

मेरी तरफ देख कर वो हल्के से मुस्कुराई और उसने नीचे झुकते हुए पैन्टी उतार दी.. मैं तो हक्का-बक्का रह गया.. वॉववव.. क्या गुलाबी मरमरी चूत थी.. पूरी क्लीन शेव्ड.. जैसे

फिल्मों में दिखाते हैं.. बिल्कुल वैसी.. मलाईदार और दूधिया.. ऊपर को फूली हुई..

मैं सोचने लगा.. शायद इसी वजह से मेरा दोस्त इससे इतना चोदता होगा..

अब शीतल मेरे जिस्म को दोनों पैरों के बीच में लेकर मेरी छाती तक चली आई.. और मुझसे कहा- अपने हाथ को सिर के पीछे मोड़ लो..

मैंने वैसा ही किया.. और वो घुटनों के बल नीचे बैठ गई.. उसकी खरगोश के जैसी मुलायम चूत मेरी छाती पर थी।

उसने मेरे हाथ घुटनों के नीचे कैंद कर लिए.. फिर मुड़कर दीदी की तरफ देखा और आँखों से इशारा कर दिया।

मैं समझ गया था.. मैंने अपने पैर फोल्ड करके हवा में उठा लिए।

दीदी- शीतल तू एक काम कर.. उसकी तरफ नहीं.. मेरी तरफ मुँह करके बैठ जा.. 69 जैसी अवस्था में.. उसके हाथ खुले रहने दे.. ताकि वो तुम्हारे चूतड़ों को अपने मुँह पर सैट कर सके.. तू अपने हाथों से इसके पैर अपनी तरफ खींच ले.. इससे इसकी गाण्ड का छेद और खुल जाएगा।

शीतल ने बिल्कुल वैसा ही किया.. जैसा दीदी ने कहा।

अब मेरा गाण्ड का छेद ज्यादा खुल चुका था.. दीदी मिशनरी अवस्था में तैयार थी।

उन्होंने डिल्डो मेरे छेद के द्वार पर टिका कर रखा था.. और इधर शीतल उसकी फूली हुई खरगोश सी चूत.. मेरे मुँह पर टिकाने वाली थी।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

जैसे ही दीदी ने इशारा किया.. शीतल मेरे मुँह पर बैठ गई.. मैंने फट से अपना मुँह खोल दिया और अपनी जीभ को शीतल की चूत में घुसा दी।

शायद 'फेस सीटिंग' की सोच को लेकर उसकी चूत थोड़ी गीली हो चुकी थी.. तो मेरी जीभ को आराम से अन्दर का रास्ता मिल गया।

शीतल के चूतड़ मेरे चेहरे पर थे.. तो जाहिर है मेरा चेहरा ढक चुका था.. मेरी नाक उसकी नितंब की दरार में फंस चुकी थी.. पर दरार की वजह से मुझे सांस लेने की जगह मिल गई थी।

तभी.. दीदी ने एक ज़ोर का झटका नीचे लगा दिया.. पूरा का पूरा 10 इंच का डिल्डो अन्दर घुस चुका था.. बहुत दर्द हो रहा था.. पर शीतल की चूत में मेरी जीभ घूम रही थी तो मैं वो दर्द भूलने लगा।

अब मेरे लंड मे हरकत होने लगी.. दीदी ने वो नोटिस किया और वो अपने एक हाथ से उसे मारने लगीं।

शीतल की चूत का गीलापन मेरे लंड में और जान डाल रहा था।

दीदी- देख शीतल ये तेरा आशिक.. अपनी गाण्ड में पूरा 10 इंच का डिल्डो लिए है.. फिर भी लंड खड़ा करने से बाज़ नहीं आ रहा।

शीतल- दीदी समझा करो.. ये सब मेरी चूत का कमाल है.. अगर अभी उठ जाऊँ तो एक सेकेंड में ये टुन्नू सा छोटा हो जाएगा.. रुकिए मैं इसे संभाल लेती हूँ।

इतना कहकर शीतल पूरी तरह से मेरे पैरों पर झुक गई और मेरे पैर उसनी बगलों के नीचे क़ैद कर लिए.. अब उसके हाथ फ़्री हो चुके थे.. उसने मेरा लंड और अण्डकोष हाथ में लेकर खींच लिए.. फिर उसने लंड को मुँह में ले लिया और चूसना शुरू किया।

अब दोनों हाथों से वो मेरे अण्डकोष खींचने लगी.. और लंड को पूरा का पूरा अपने मुँह में ले लिया था।

दीदी का डिल्डो और मेरा गाण्ड के छेद को इस खेल से निकाल दें.. तो मैं पूरा का पूरा जन्नत में था।

नीचे मेरा गाण्ड के छेद को बुरी तरह से चोदा जा रहा था.. पर शीतल की मुलायम चूत की वजह से मैं सब कुछ भूल रहा था।

शीतल अपने चूतड़ों को बहुत अच्छी तरह से घुमा रही थी.. मैं मेरी उंगलियाँ उसकी नितम्बों की दरार में घुमा रहा था।

वो उसे और ज्यादा उछाल रही थी.. और पूरे ज़ोर के साथ अपनी चूत मेरे मुँह पर दबा रही थी।

मेरी जीभ बहुत अच्छी तरह से उसकी चूत में अन्दर तक घूम रही थी.. करीब 10-15 मिनट में शायद वो पहली बार झड़ गई थी। मैं उसकी चूत के अन्दर उसका रस महसूस कर रहा था.. उसका गरम पानी मेरी जीभ के ऊपर आ गया था.. मैं पूरा का पूरा पी गया और मैंने उस रस की चुसाई चालू रखी.. शीतल के पानी का बहुत मस्त स्वाद था।

अब शायद मेरी बारी थी झड़ने की.. एक ज़ोर का झटका शीतल ने मेरे मुँह पर अपने नितम्बों से लगा दिया और मैं छूट गया.. मेरा पूरा रस मैंने शीतल के मुँह में निकाल दिया और उसने उतनी ही अच्छे तरह से पूरा माल गटक लिया।

अब मेरा लंड सिकुड़ गया था.. पर उधर दीदी के झटके चालू ही थे.. इसलिए शीतल मेरे सोए हुए लंड को वैसे ही मुँह में लेकर छेड़ रही थी और इधर मेरे मुँह पर उसके नितम्बों का घिसना चालू था।

हम दोनों झड़ चुके थे.. पर दीदी रुकने का नाम नहीं ले रही थीं।

अधिक तेल लग जाने की वजह से उनके झटके लगातार चालू ही थे.. डिल्डो होने के कारण उसके झड़ने की बात ही नहीं थी.. तो जाहिर था.. जब दीदी का मन करेगा.. तब ही वो रुकने वाली थी।

मैंने इधर शीतल की गाण्ड के छेद को चूसना शुरू कर दिया था.. उसके छोटे से गाण्ड के छेद को चूसने से मेरा लंड फिर से शीतल के मुँह में तन गया।

आखिरकार लगभग 50-55 मिनट के बाद दीदी ने फाइनली दो झटके ज़ोर-ज़ोर से मारे और डिल्लो मेरी गाण्ड से निकाल लिया।

डिल्लो के निकलते ही शीतल बोली- बाप रे दीदी.. आपने तो इसकी पूरी फाड़ ही दी.. डिल्लो डालने से इसका छेद पहले कितना सा था.. और अब देखो कितना लग रहा है..!!

मैंने इधर शीतल के नितम्बों को हाथ में उठा लिया- शीतल, मैं तुम्हें चोदना चाहता हूँ।

शीतल- हाँ मेरे राजा.. मैं तो दीदी के खत्म होने का इंतजार कर रही थी।

इतना कहकर शीतल मेरे मुँह से उठ गई और नीचे पैर फैलाकर चुदासी मुद्रा में लेट गई.. मैं सीधा होकर शीतल के बदन पर चढ़ गया और उसका टॉप निकाल दिया.. उसके वो गजब के गुब्बारे अब हवा में उड़ रहे थे।

मैंने उसकी चूचियां मुँह में ले लीं और चूसने लगा.. उसकी मुलायम चूचियां थोड़ी देर चूसते ही मेरा लंड पूरी तरह से तैयार हो गया.. मैंने खुद को चूत पर सैट कर लिया और लंड शीतल की चूत पर टिका दिया।

शीतल ने नीचे से हाथ डाल कर मेरा लंड चूत में घुसा दिया.. चूत गीली होने के कारण लंड सट से अन्दर चला गया.. पर अन्दर जाते ही शीतल ने उसकी पकड़ मजबूत कर ली।

इससे मुझे एक अद्भुत आनन्द मिल रहा था।

शीतल बोले जा रही थी- फक मी हार्ड आशीष.. फक मी हार्डर..

दस मिनट तक उसकी चूत में मेरे झटके चालू थे और अचानक मेरी गाण्ड पर फिर हमला हुआ..

दीदी ज़ोर-ज़ोर से मेरी गाण्ड पर चपत मार रही थीं.. थोड़ी देर मारने के बाद उन्होंने फिर से तेल को डिल्लो पर लगाया और मुझे कहा- रुक जा भोसड़ी के.. एक मिनट के लिए.. अब हम तेरा सैंडविच बनाएँगे।

इतना कहते ही दीदी ने डिल्लो को मेरी गाण्ड के छेद पर रखा और एक ज़ोर का झटका दे दिया.. उन्होंने जान-बूझकर आधा डिल्लो ही मेरे अन्दर डाला था।

अब ये अजीब खेल शुरू हो गया था.. जैसे ही मैं झटका मारने के लिए पीछे हो जाता.. डिल्लो मेरे अन्दर और घुस जाता.. दीदी डिल्लो से मेरी गांड की चुदाई कर रही थीं और मैं शीतल को चोद रहा था।

लगभग 20 मिनट बाद मैंने कहा- शीतल मेरा छूटने वाला है।

उसने मुझे अन्दर छूटने की अनुमति दे दी.. और एक-दो ज़ोर के झटके मार कर मैंने पूरा लौड़ा शीतल की चूत में पेल दिया।

अब दीदी ने भी मेरी चुदाई की रफ्तार बढ़ा दी थी.. और 5-6 ज़ोर के झटके देकर डिल्लो निकाल दिया।

थोड़ी देर तक हम लोग वैसे ही पड़े हुए थे.. फिर वे दोनों उठीं और फ्रेश होकर कुछ कपड़े पहन कर आईं।

मैं भी फ्रेश होकर आया.. पर उन्होंने मुझे पहनने के लिए कुछ नहीं दिया क्योंकि मुझे तो पूरा दिन उनके सामने नंगा रहना था।

मेरी गाण्ड का छेद सूज गया था और मैं ठीक से बैठ भी नहीं पा रहा था। शीतल ने मुझे सोफे पर अपनी दीदी की जाँघों पर उलटा लेटने को कहा।

अब मेरा सिर दीदी की जाँघों पर था.. तो गाण्ड शीतल की जाँघों पर थी।

उसने एक क्रीम निकाली और वो मेरी गाण्ड के छेद पर लगाने लगी.. ठंडी क्रीम लगते ही मुझे बहुत अच्छा महसूस होने लगा ।
शीतल ने थोड़ी देर अपनी उंगली से क्रीम लगाकर मुझे गाण्ड के छेद पर अच्छा मसाज दिया.. जिससे मुझे अच्छा लगने लगा ।

दीदी बोली- आज तुझे 2 बार ही फक किया है.. अगली बार तुझे इतनी जल्दी नहीं छोड़ने वाली हूँ ।

हम तीनों लोग हंस पड़े.. वास्तव में यह अद्भुत चुदाई हुई थी जिसमें मैं चूत चोदने के साथ अपनी गाण्ड भी चुदवा रहा था
दोस्तो.. कैसी लगी कहानी.. जरूर बताना..

aashishj011@gmail.com

Other stories you may be interested in

अन्तर्वासना पाठक का अजेय लंड

दोस्तो, मैं अर्पिता एक बार फिर हाजिर हुई हूँ मेरी जवानी की प्यास की कहानी लेकर. सबसे पहले तो आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मेरी पहली कहानी मेरी कुंवारी चूत की पहली चुदाई को इतना प्यार दिया. मुझे इतने सारे [...]

[Full Story >>>](#)

प्यारी बीवी की गांड चोदकर वीर्य भर दिया

नमस्ते दोस्तो, मैं कुमार सोलापुर से आपके लिये हमारी पति पत्नी की चुदाई की और एक नई सच्ची कहानी लेकर हाजिर हुआ हूँ. जिसे पढ़कर आपकी तबीयत जरूर खुश हो जाएगी. हम दोनों पति पत्नी जल्दबाजी में की गई चुदाई [...]

[Full Story >>>](#)

मामी की गांड चोद कर सुहागरात मनायी-4

नमस्कार दोस्तो, मैं अपनी कहानी का अगला भाग लेकर हाजिर हूँ. पिछले भाग मामी की गांड चोद कर सुहागरात मनायी-3 में आपने पढ़ा था कि मैंने मामी की सुबह भी जबदस्त गांड मारी थी, जिसके बाद वे सो गई थीं. [...]

[Full Story >>>](#)

हवसनामा : मेरी चुदती बहन-2

“अभी बैठे-बैठे तेरी बहन के बारे में सोच रहा था। झेल पायेगी उसकी चूत।” वह लहराती हुई आवाज में बोला और ऐसे तो मुझे आग लग गयी लेकिन मेज पर रखे कट्टे की तरफ देख कर मेरे अंदर उठा गुस्से [...]

[Full Story >>>](#)

दीदी को चोद कर बीवी बनाया-3

इस सेक्स स्टोरी के दूसरे भाग दीदी को चोद कर बीवी बनाया-2 में अब तक आपने पढ़ा था कि मेरी प्रमिला दीदी मुझे ज्यादा चुदाई नहीं करने देती थी. मेरा फ्लैट का रिनोवेशन हो चुका था, तो मैं अपने फ्लैट [...]

[Full Story >>>](#)

